युगाब्द ५११८ ॐ वि.सं. २०७३

पञ्चाङ्गम्



उत्तरं यत्समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्।
वर्षं तद्भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः॥

6.1

नव सम्वत्सर मंगलमय हो

- सृष्टि की रचना का प्रारम्भ दिवस।
- महाराजा अजयपाल द्वारा अजमेर की स्थापना।
- महर्षि गौतम का जन्म दिवस।
- प्रभु श्रीराम का राज्याभिषेक दिवस।
- नवरात्रि पर्व का प्रारम्भ दिवस।
- विक्रम सम्वत् आदि सभी सम्वतों का शुभारम्भ दिवस।
- गुरु अंगददेव का प्रकाश उत्सव।
- वरुणावतार झूलेलाल का जन्म दिवस।
- आर्य समाज का स्थापना दिवस।
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जन्म दिवस।
- संघ संस्थापक परम पूजनीय डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार का जन्म दिवस।

वन्दे मातरम्

वन्दे मातरम् ! वन्दे मातरम् !!
सुजलाम् सुफलाम् मलयजशीतलाम्
शस्यश्यामलाम् मातरम् ।
वन्दे मातरम् ॥ १ ॥
शुभ्रज्योत्स्नापुलकितयामिनीम्
फुल्लकुसुमितद्रुमदलशोभिनीम्
सुहासिनीम् सुमधुरभाषिणीम्
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वन्दे मातरम् ॥ २ ॥
कोटि-कोटि कंठ कलकल निनाद कराले
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले
अबला केनो माँ एतो बले
बहुबलधारिणीम् नमामि तारिणीम्
रिपुदलवारिणीम् मातरम्
वन्दे मातरम् ॥ ३ ॥
तुमि विद्या तुमि धर्म
तुमि हृदि तुमि मर्म
त्वं हि प्राणाः शरीरे
बाहु ते तुमि माँ शक्ति
हृदये तुमि माँ भक्ति
तोमारइ प्रतिमा गड़ि मन्दिरे मन्दिरे ।
वन्दे मातरम् ॥ ४ ॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी
कमला कमलदलविहारिणी
वाणी विद्यादायिनी,
नमामि त्वां, नमामि कमलाम्
अमलाम् , अतुलाम्,
सुजलाम्, सुफलाम्, मातरम्
वन्दे मातरम् ॥ ५ ॥
श्यामलाम्, सरलाम्, सुस्मिताम्, भूषिताम्
धरणीम्, भरणीम्, मातरम् ।
वन्दे मातरम् ॥ ६ ॥

विक्रम सं. २०७३	चैत्र	अप्रैल 8–अप्रैल 22	
रवि		शुक्ला ४ कृतिका वृष अप्रैल 10	शुक्ला ११ मघा सिंह अप्रैल 17
सोम		शुक्ला ५ रोहिणी मिथुन अप्रैल 11	शुक्ला १२ पू.फा. कन्या अप्रैल 18
मंगल		शुक्ला ६ मृगशिरा मिथुन अप्रैल 12	शुक्ला १३ उ.फा. कन्या अप्रैल 19
बुध		शुक्ला ७ आर्द्रा मिथुन अप्रैल 13	शुक्ला १४ हस्त कन्या अप्रैल 20
गुरु		शुक्ला ८ पुनर्वसु कर्क अप्रैल 14	शुक्ला १४ चित्रा तुला अप्रैल 21
शुक्र	शुक्ला १ अश्विनी मेष अप्रैल 8	शुक्ला ९ पुष्य कर्क अप्रैल 15	शुक्ला पूर्णिमा चित्रा तुला अप्रैल 22
शनि	शुक्ला २/३ भरणी मेष अप्रैल 9	शुक्ला १० आश्लेषा सिंह अप्रैल 16	



नव
संवत्सर
मंगलमय हो



विक्रम सं. २०७३	वैशाख				अप्रैल 23–मई 21
रवि		कृष्णा विशाखा २ वृश्चिक अप्रैल 24	कृष्णा धनिष्ठा ९ कुंभ मई 1	शुक्ला रोहिणी २ वृष मई 8	शुक्ला पूफा ९ सिंह मई 15
सोम		कृष्णा अनुराधा ३ वृश्चिक अप्रैल 25	कृष्णा शतभिषा १० कुंभ मई 2	शुक्ला मृगशिरा ३ मिथुन मई 9	शुक्ला उफा १० कन्या मई 16
मंगल		कृष्णा ज्येष्ठा ४ धनु अप्रैल 26	कृष्णा पूभा ११ मीन मई 3	शुक्ला आर्द्रा ४ मिथुन मई 10	शुक्ला उफा ११ कन्या मई 17
बुध		कृष्णा मूल ५ धनु अप्रैल 27	कृष्णा उभा १२ मीन मई 4	शुक्ला पुनर्वसु ५ कर्क मई 11	शुक्ला हस्त १२ तुला मई 18
गुरु		कृष्णा पूषा ६ मकर अप्रैल 28	कृष्णा रेवती १३/१४ मेष मई 5	शुक्ला पुष्य ६ कर्क मई 12	शुक्ला चित्रा १३ तुला मई 19
शुक्र		कृष्णा उषा ७ मकर अप्रैल 29	कृष्णा अश्विनी अमावस्या मेष मई 6	शुक्ला आश्लेषा ७ सिंह मई 13	शुक्ला स्वाति १४ तुला मई 20
शनि	कृष्णा स्वाति १ तुला अप्रैल 23	कृष्णा श्रवण ८ मकर अप्रैल 30	शुक्ला भरणी/कृतिका १ वृष मई 7	शुक्ला मघा ८ सिंह मई 14	शुक्ला विशाखा पूर्णिमा वृश्चिक मई 21



विक्रम सं. २०७३	ज्येष्ठ			मई 22–जून 20

रवि	कृष्णा अनुराधा १ वृश्चिक मई 22	कृष्णा शतभिषा ७/८ कुंभ मई 29	कृष्णा/शुक्ला रोहिणी अमावस्या १ मिथुन जून 5	शुक्ला पूफा ८ कन्या जून 12	शुक्ला ज्येष्ठा १४ वृश्चिक जून 19
सोम	कृष्णा ज्येष्ठा २ धनु मई 23	कृष्णा पूभा ९ मीन मई 30	शुक्ला मृगशिरा २ मिथुन जून 6	शुक्ला उफा ९ कन्या जून 13	शुक्ला ज्येष्ठा पूर्णिमा धनु जून 20
मंगल	कृष्णा मूल ३ धनु मई 24	कृष्णा उभा १० मीन मई 31	शुक्ला आर्द्रा ३ कर्क जून 7	शुक्ला हस्त १० कन्या जून 14	
बुध	कृष्णा पूषा ३ धनु मई 25	कृष्णा रेवती ११ मेष जून 1	शुक्ला पुनर्वसु ४ कर्क जून 8	शुक्ला चित्रा १० तुला जून 15	
गुरु	कृष्णा उषा ४ मकर मई 26	कृष्णा अश्विनी १२ मेष जून 2	शुक्ला पुष्य ५ कर्क जून 9	शुक्ला स्वाति ११ तुला जून 16	
शुक्र	कृष्णा श्रवण ५ मकर मई 27	कृष्णा भरणी १३ मेष जून 3	शुक्ला आश्लेषा ६ सिंह जून 10	शुक्ला विशाखा १२ वृश्चिक जून 17	
शनि	कृष्णा धनिष्ठा ६ कुंभ मई 28	कृष्णा कृतिका १४ मेष जून 4	शुक्ला मघा ७ सिंह जून 11	शुक्ला अनुराधा १३ वृश्चिक जून 18	

विक्रम सं. २०७३	आषाढ			जून 21-जुलाई 19	
रवि		कृष्णा शतभिषा ६ मीन जून 26	कृष्णा मृगशिरा १४ मिथुन जुलाई 3	शुक्ला उफा ६ कन्या जुलाई 10	शुक्ला ज्येष्ठा १३ धनु जुलाई 17
सोम		कृष्णा पूभा ७ मीन जून 27	कृष्णा आर्द्रा अमावस्या मिथुन जुलाई 4	शुक्ला हस्त ७ कन्या जुलाई 11	शुक्ला मूल १४ धनु जुलाई 18
मंगल	कृष्णा मूल १ धनु जून 21	कृष्णा उभा/रेवती ८ मेष जून 28	शुक्ला पुनर्वसु १ कर्क जुलाई 5	शुक्ला चित्रा ८ तुला जुलाई 12	शुक्ला पूषा पूर्णिमा मकर जुलाई 19
बुध	कृष्णा पूषा २ मकर जून 22	कृष्णा अश्विनी ९ मेष जून 29	शुक्ला पुष्य २ कर्क जुलाई 6	शुक्ला स्वाति ९ तुला जुलाई 13	
गुरु	कृष्णा उषा ३ मकर जून 23	कृष्णा भरणी १०/११ मेष जून 30	शुक्ला आश्लेषा ३ सिंह जुलाई 7	शुक्ला स्वाति १० वृश्चिक जुलाई 14	
शुक्र	कृष्णा श्रवण ४ कुंभ जून 24	कृष्णा कृतिका १२ वृष जुलाई 1	शुक्ला मघा ४ सिंह जुलाई 8	शुक्ला विशाखा ११ वृश्चिक जुलाई 15	
शनि	कृष्णा धनिष्ठा ५ कुंभ जून 25	कृष्णा रोहिणी १३ वृष जुलाई 2	शुक्ला पूफा ५ कन्या जुलाई 9	शुक्ला अनुराधा १२ वृश्चिक जुलाई 16	

विक्रम सं. २०७३	श्रावण				जुलाई 20–अगस्त 18
रवि		कृष्णा पूभा ५ मीन जुलाई 24	कृष्णा आर्द्रा १२/१३ मिथुन जुलाई 31	शुक्ला उफा ५ कन्या अगस्त 7	शुक्ला मूल ११ धनु अगस्त 14
सोम		कृष्णा उभा ६ मीन जुलाई 25	कृष्णा पुनर्वसु १४ कर्क अगस्त 1	शुक्ला हस्त ६ तुला अगस्त 8	शुक्ला पूषा १२ धनु अगस्त 15
मंगल		कृष्णा रेवती ७ मेष जुलाई 26	कृष्णा पुष्य अमावस्या कर्क अगस्त 2	शुक्ला चित्रा ६ तुला अगस्त 9	शुक्ला उषा १३ मकर अगस्त 16
बुध	कृष्णा उषा १ मकर जुलाई 20	कृष्णा अश्विनी ८ मेष जुलाई 27	शुक्ला आश्लेषा १ सिंह अगस्त 3	शुक्ला स्वाति ७ तुला अगस्त 10	शुक्ला श्रवण १४ मकर अगस्त 17
गुरु	कृष्णा श्रवण २ कुंभ जुलाई 21	कृष्णा भरणी ९ वृष जुलाई 28	शुक्ला मघा २ सिंह अगस्त 4	शुक्ला विशाखा ८ वृश्चिक अगस्त 11	शुक्ला धनिष्ठा पूर्णिमा कुंभ अगस्त 18
शुक्र	कृष्णा धनिष्ठा ३ कुंभ जुलाई 22	कृष्णा कृत्तिका/रोहिणी १० वृष जुलाई 29	शुक्ला पूफा ३ सिंह अगस्त 5	शुक्ला अनुराधा ९ वृश्चिक अगस्त 12	
शनि	कृष्णा शतभिषा ४ कुंभ जुलाई 23	कृष्णा मृगशिरा ११ मिथुन जुलाई 30	शुक्ला उफा ४ कन्या अगस्त 6	शुक्ला ज्येष्ठा १० धनु अगस्त 13	

विक्रम सं. २०७३	भाद्रपद			अगस्त 19-सितम्बर 16





रवि		कृष्णा ३/४ अगस्त 21	कृष्णा ११ अगस्त 28	शुक्ला ३ सितम्बर 4	शुक्ला ९ सितम्बर 11
सोम		कृष्णा ५ अगस्त 22	कृष्णा १२ अगस्त 29	शुक्ला ४ सितम्बर 5	शुक्ला १० सितम्बर 12
मंगल		कृष्णा ६ अगस्त 23	कृष्णा १३ अगस्त 30	शुक्ला ५ सितम्बर 6	शुक्ला ११ सितम्बर 13
बुध		कृष्णा ७ अगस्त 24	कृष्णा १४ अगस्त 31	शुक्ला ६ सितम्बर 7	शुक्ला १२/१३ सितम्बर 14
गुरु		कृष्णा ८ अगस्त 25	कृष्णा अमावस्या सितम्बर 1	शुक्ला ७ सितम्बर 8	शुक्ला १४ सितम्बर 15
शुक्र	कृष्णा १ अगस्त 19	कृष्णा ९ अगस्त 26	शुक्ला १ सितम्बर 2	शुक्ला ८ सितम्बर 9	शुक्ला पूर्णिमा सितम्बर 16
शनि	कृष्णा २ अगस्त 20	कृष्णा १० अगस्त 27	शुक्ला २ सितम्बर 3	शुक्ला ९ सितम्बर 10	

विक्रम सं. २०७३	आश्विन/कार्तिक कृष्णा			सितम्बर 17–अक्टूबर 16	
रवि	शुक्ला/कृष्णा पूर्णिमा/१ रेवती मीन अक्टूबर 16	कृष्णा २ रेवती मेष सितम्बर 18	कृष्णा १० पुनर्वसु कर्क सितम्बर 25	शुक्ला १ चित्रा तुला अक्टूबर 2	शुक्ला ८ श्रवण मकर अक्टूबर 9
सोम		कृष्णा ३ अश्विनी मेष सितम्बर 19	कृष्णा ११ पुष्य कर्क सितम्बर 26	शुक्ला २ स्वाति तुला अक्टूबर 3	शुक्ला ९ श्रवण मकर अक्टूबर 10
मंगल		कृष्णा ४ भरणी मेष सितम्बर 20	कृष्णा १२ आश्लेषा सिंह सितम्बर 27	शुक्ला ३ विशाखा वृश्चिक अक्टूबर 4	शुक्ला १० श्रवण मकर अक्टूबर 11
बुध		कृष्णा ५/६ कृत्तिका वृष सितम्बर 21	कृष्णा १३ मघा सिंह सितम्बर 28	शुक्ला ४ विशाखा वृश्चिक अक्टूबर 5	शुक्ला ११ धनिष्ठा कुंभ अक्टूबर 12
गुरु		कृष्णा ७ रोहिणी मिथुन सितम्बर 22	कृष्णा १४ पू.फा. कन्या सितम्बर 29	शुक्ला ५ अनुराधा वृश्चिक अक्टूबर 6	शुक्ला १२ शतभिषा कुंभ अक्टूबर 13
शुक्र		कृष्णा ८ मृगशिरा मिथुन सितम्बर 23	कृष्णा अमावस्या उ.फा. कन्या सितम्बर 30	शुक्ला ६ ज्येष्ठा धनु अक्टूबर 7	शुक्ला १३ पू.भा. मीन अक्टूबर 14
शनि	कृष्णा १ उ.भा. मीन सितम्बर 17	कृष्णा ९ आर्द्रा मिथुन सितम्बर 24	शुक्ला १ हस्त कन्या अक्टूबर 1	शुक्ला ७ मूल धनु अक्टूबर 8	शुक्ला १४ उ.भा. मीन अक्टूबर 15

विक्रम सं. २०७३		कार्तिक		अक्टूबर 17-नवम्बर 14	
रवि		कृष्णा पुष्य ८ कर्क अक्टूबर 23	कृष्णा चित्रा अमावस्या तुला अक्टूबर 30	शुक्ला उ.षा. ६ मकर नवम्बर 6	शुक्ला अश्विनी १४ मेष नवम्बर 13
सोम	कृष्णा अश्विनी/भरणी २ मेष अक्टूबर 17	कृष्णा आश्लेषा ९ सिंह अक्टूबर 24	शुक्ला स्वाति १ तुला अक्टूबर 31	शुक्ला श्रवण ७ मकर नवम्बर 7	शुक्ला भरणी पूर्णिमा मेष नवम्बर 14
मंगल	कृष्णा कृतिका ३ वृष अक्टूबर 18	कृष्णा मघा १० सिंह अक्टूबर 25	शुक्ला विशाखा २ वृश्चिक नवम्बर 1	शुक्ला धनिष्ठा ८ कुंभ नवम्बर 8	
बुध	कृष्णा रोहिणी ४ वृष अक्टूबर 19	कृष्णा पू.फा. ११ सिंह अक्टूबर 26	शुक्ला अनुराधा ३ वृश्चिक नवम्बर 2	शुक्ला शतभिषा ९ कुंभ नवम्बर 9	
गुरु	कृष्णा मृगशिरा ५ मिथुन अक्टूबर 20	कृष्णा उ.फा. १२ कन्या अक्टूबर 27	शुक्ला ज्येष्ठा ४ धनु नवम्बर 3	शुक्ला पू.भा. १० मीन नवम्बर 10	
शुक्र	कृष्णा आर्द्रा ६ मिथुन अक्टूबर 21	कृष्णा हस्त १३ कन्या अक्टूबर 28	शुक्ला मूल ४ धनु नवम्बर 4	शुक्ला उ.भा. ११/१२ मीन नवम्बर 11	
शनि	कृष्णा पुनर्वसु ७ कर्क अक्टूबर 22	कृष्णा चित्रा १४ तुला अक्टूबर 29	शुक्ला पू.षा. ५ धनु नवम्बर 5	शुक्ला रेवती १३ मेष नवम्बर 12	

विक्रम सं. २०७३	मार्गशीर्ष			नवम्बर 15-दिसम्बर 13

रवि		कृष्णा ७ आश्लेषा सिंह नवम्बर 20	कृष्णा १३ स्वाति तुला नवम्बर 27	शुक्ला ५ उषा मकर दिसम्बर 4	शुक्ला १२ भरणी मेष दिसम्बर 11
सोम		कृष्णा ८ मघा सिंह नवम्बर 21	कृष्णा १४ विशाखा वृश्चिक नवम्बर 28	शुक्ला ६ श्रवण कुंभ दिसम्बर 5	शुक्ला १३ कृत्तिका वृष दिसम्बर 12
मंगल	कृष्णा १ कृत्तिका वृष नवम्बर 15	कृष्णा ९ पूफा सिंह नवम्बर 22	शुक्ला अमावस्या अनुराधा वृश्चिक नवम्बर 29	शुक्ला ७ धनिष्ठा कुंभ दिसम्बर 6	शुक्ला १४/ पूर्णिमा रोहिणी वृष दिसम्बर 13
बुध	कृष्णा २ रोहिणी मिथुन नवम्बर 16	कृष्णा १० उफा कन्या नवम्बर 23	शुक्ला १ ज्येष्ठा धनु नवम्बर 30	शुक्ला ८ शतभिषा मीन दिसम्बर 7	
गुरु	कृष्णा ३/४ मृगशिरा/आर्द्रा मिथुन नवम्बर 17	कृष्णा ११ उफा कन्या नवम्बर 24	शुक्ला २ मूल धनु दिसम्बर 1	शुक्ला ९ पूभा मीन दिसम्बर 8	
शुक्र	कृष्णा ५ पुनर्वसु कर्क नवम्बर 18	कृष्णा ११ हस्त तुला नवम्बर 25	शुक्ला ३ पूषा धनु दिसम्बर 2	शुक्ला १० उभा मीन दिसम्बर 9	
शनि	कृष्णा ६ पुष्य कर्क नवम्बर 19	कृष्णा १२ चित्रा तुला नवम्बर 26	शुक्ला ४ पूषा मकर दिसम्बर 3	शुक्ला ११ रेवती/अश्विनी मेष दिसम्बर 10	

विक्रम सं. २०७३	पौष	14 दिसम्बर-जनवरी 12







रवि		कृष्णा आश्लेषा ५ सिंह दिसम्बर 18	कृष्णा विशाखा १२ वृश्चिक दिसम्बर 25	शुक्ला श्रवण ३ मकर जनवरी 1	शुक्ला भरणी १०/११ मेष जनवरी 8
सोम		कृष्णा मघा ६ सिंह दिसम्बर 19	कृष्णा अनुराधा १३ वृश्चिक दिसम्बर 26	शुक्ला धनिष्ठा ४ मकर जनवरी 2	शुक्ला कृत्तिका १२ वृष जनवरी 9
मंगल		कृष्णा पू.फा ७ कन्या दिसम्बर 20	कृष्णा ज्येष्ठा १३ वृश्चिक दिसम्बर 27	शुक्ला शतभिषा ५ कुंभ जनवरी 3	शुक्ला मृगशिरा १३ मिथुन जनवरी 10
बुध	कृष्णा मृगशिरा १ मिथुन दिसम्बर 14	कृष्णा उ.फा ८ कन्या दिसम्बर 21	कृष्णा ज्येष्ठा १४ धनु दिसम्बर 28	शुक्ला पू.भा ६ मीन जनवरी 4	शुक्ला आर्द्रा १४ मिथुन जनवरी 11
गुरु	कृष्णा आर्द्रा २ मिथुन दिसम्बर 15	कृष्णा हस्त ९ कन्या दिसम्बर 22	कृष्णा मूल अमावस्या धनु दिसम्बर 29	शुक्ला उ.भा ७ मीन जनवरी 5	शुक्ला पुनर्वसु पूर्णिमा कर्क जनवरी 12
शुक्र	कृष्णा पुनर्वसु ३ कर्क दिसम्बर 16	कृष्णा चित्रा १० तुला दिसम्बर 23	शुक्ला पू.षा १ मकर दिसम्बर 30	शुक्ला रेवती ८ मेष जनवरी 6	
शनि	कृष्णा पुष्य ४ कर्क दिसम्बर 17	कृष्णा स्वाति ११ तुला दिसम्बर 24	शुक्ला उ.षा २ मकर दिसम्बर 31	शुक्ला अश्विनी ९ मेष जनवरी 7	

विक्रम सं. २०७३	माघ			जनवरी 13-फरवरी 10







रवि		कृष्णा मघा ३ सिंह जनवरी 15	कृष्णा विशाखा १० वृश्चिक जनवरी 22	शुक्ला धनिष्ठा २ कुंभ जनवरी 29	शुक्ला कृत्तिका ९ मेष फरवरी 5
सोम		कृष्णा पूफा ४ कन्या जनवरी 16	कृष्णा अनुराधा ११ वृश्चिक जनवरी 23	शुक्ला शतभिषा ३ कुंभ जनवरी 30	शुक्ला रोहिणी १० वृषभ फरवरी 6
मंगल		कृष्णा उफा ५ कन्या जनवरी 17	कृष्णा ज्येष्ठा १२ धनु जनवरी 24	शुक्ला पूभा ४ मीन जनवरी 31	शुक्ला मृगशिरा ११ मिथुन फरवरी 7
बुध		कृष्णा हस्त ६ कन्या जनवरी 18	कृष्णा मूल १३ धनु जनवरी 25	शुक्ला उभा ५ मीन फरवरी 1	शुक्ला आर्द्रा १२ मिथुन फरवरी 8
गुरु		कृष्णा चित्रा ७ तुला जनवरी 19	कृष्णा पूषा १४ मकर जनवरी 26	शुक्ला रेवती ६ मेष फरवरी 2	शुक्ला पुनर्वसु १३ मिथुन फरवरी 9
शुक्र	कृष्णा पुष्य १ कर्क जनवरी 13	कृष्णा स्वाति ८ तुला जनवरी 20	कृष्णा उषा अमावस्या मकर जनवरी 27	शुक्ला अश्विनी ७ मेष फरवरी 3	शुक्ला पुष्य १४/ कर्क पूर्णिमा फरवरी 10
शनि	कृष्णा आश्लेषा २ सिंह जनवरी 14	कृष्णा स्वाति ९ वृश्चिक जनवरी 21	शुक्ला श्रवण १ मकर जनवरी 28	शुक्ला भरणी ८ मेष फरवरी 4	

विक्रम सं. २०७३	फाल्गुन			फरवरी 11-मार्च 12

रवि	शुक्ला पू.फा. पूर्णिमा कन्या मार्च 12	कृष्णा मघा २ सिंह फरवरी 12	कृष्णा अनुराधा ८ वृश्चिक फरवरी 19	कृष्णा शत/पू.भा. अमावस्या कुंभ फरवरी 26	शुक्ला रोहिणी ८ वृष मार्च 5
सोम		कृष्णा पू.फा. ३ कन्या फरवरी 13	कृष्णा ज्येष्ठा ९ धनु फरवरी 20	शुक्ला पू.भा. १ मीन फरवरी 27	शुक्ला मृगशिरा ९ मिथुन मार्च 6
मंगल		कृष्णा उ.फा. ४ कन्या फरवरी 14	कृष्णा मूल १० धनु फरवरी 21	शुक्ला उ.भा. २ मीन फरवरी 28	शुक्ला आर्द्रा १० मिथुन मार्च 7
बुध		कृष्णा हस्त ५ तुला फरवरी 15	कृष्णा पू.षा. ११ धनु फरवरी 22	शुक्ला रेवती ३ मेष मार्च 1	शुक्ला पुनर्वसु ११ कर्क मार्च 8
गुरु		कृष्णा चित्रा ५ तुला फरवरी 16	कृष्णा उ.षा. १२ मकर फरवरी 23	शुक्ला अश्विनी ४ मेष मार्च 2	शुक्ला पुष्य १२ कर्क मार्च 9
शुक्र		कृष्णा स्वाति ६ तुला फरवरी 17	कृष्णा श्रवण १३ मकर फरवरी 24	शुक्ला भरणी ५ वृष मार्च 3	शुक्ला आश्लेषा १३ सिंह मार्च 10
शनि	कृष्णा आश्लेषा १ सिंह फरवरी 11	कृष्णा विशाखा ७ वृश्चिक फरवरी 18	कृष्णा धनिष्ठा १४ कुंभ फरवरी 25	शुक्ला कृतिका ६/७ वृष मार्च 4	शुक्ला मघा १४ सिंह मार्च 11

विक्रम सं. २०७३	चैत्र		मार्च 13–मार्च 28
रवि		कृष्णा ७ ज्येष्ठा वृश्चिक मार्च 19	कृष्णा १३ शतभिषा कुंभ मार्च 26
सोम	कृष्णा १ उफा कन्या मार्च 13	कृष्णा ७ ज्येष्ठा धनु मार्च 20	कृष्णा १४ पूभा मीन मार्च 27
मंगल	कृष्णा २ हस्त कन्या मार्च 14	कृष्णा ८ मूल धनु मार्च 21	कृष्णा अमावस्या उभा मीन मार्च 28
बुध	कृष्णा ३ चित्रा तुला मार्च 15	कृष्णा ९ पूषा मकर मार्च 22	
गुरु	कृष्णा ४ स्वाति तुला मार्च 16	कृष्णा १० उषा मकर मार्च 23	
शुक्र	कृष्णा ५ विशाखा वृश्चिक मार्च 17	कृष्णा ११ श्रवण कुंभ मार्च 24	
शनि	कृष्णा ६ अनुराधा वृश्चिक मार्च 18	कृष्णा १२ धनिष्ठा कुंभ मार्च 25	

नव-ग्रह शांति मंत्र

ॐ घृणिः सूर्याय नमः

ॐ सों सोमाय नमः

ॐ अं अंगारकाय नमः

ॐ बुं बुधाय नमः

ॐ बृं बृहस्पतये नमः

ॐ शुं शुक्राय नमः

ॐ शं शनैश्चराय नमः

ॐ रां राहवे नमः

ॐ कें केतवे नमः

प्रमुख दिवस

चैत्र नवरात्र प्रारम्भ/चैटीचण्ड	8 अप्रैल
गणगौर पूजा	9 अप्रैल
वैशाखी (श्री खालसा जयन्ती)	13 अप्रैल
डॉ. अम्बेडकर जयन्ती/ दुर्गाष्टमी	14 अप्रैल
रामनवमी (दुर्गा नवमी पूजा)	15 अप्रैल
महावीर जयन्ती	19 अप्रैल
हनुमान जयन्ती	22 अप्रैल
परशुराम जयन्ती	8 मई
अक्षय तृतीया (आखातीज)	9 मई
राणाप्रताप जयन्ती	7 जून
गंगा दशहरा/स्नान	14 जून
निर्जला एकादशी	16 जून
गुप्त नवरात्र प्रारम्भ	5 जुलाई
भडली नवमी	13 जुलाई
देवशयनी एकादशी	15 जुलाई
गुरुपूर्णिमा	19 जुलाई
तिलक व आजाद जयन्ती	23 जुलाई
नागपंचमी (राजस्थानीय)	24 जुलाई
हरियाली अमावस्या	2 अगस्त
नागपंचमी (देशाचारीय)	7 अगस्त
तुलसीदास जयन्ती	10 अगस्त
रक्षाबन्धन	18 अगस्त
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी	24 अगस्त
श्री गणेश चतुर्थी	5 सितम्बर
श्री रामदेव मेला/तेजा दशमी	12 सितम्बर
अनन्त चतुर्दशी	15 सितम्बर
श्राद्धपक्ष प्रारम्भ	16 सितम्बर

शहीद भगत सिंह जयन्ती	28 सितम्बर
सर्वपितृ अमावस्या	30 सितम्बर
शारदीय नवरात्र प्रारम्भ/श्री अग्रसेन जयन्ती	1 अक्टूबर
दुर्गाष्टमी महापूजा	9 अक्टूबर
दुर्गानवमी पूजा	10 अक्टूबर
विजयादशमी (दशहरा)	11 अक्टूबर
श्री वाल्मीकि जयन्ती	16 अक्टूबर
करवाचौथ	19 अक्टूबर
अहोई अष्टमी	22 अक्टूबर
धनतेरस	28 अक्टूबर
दीपावली	30 अक्टूबर
गोवर्धन पूजा	31 अक्टूबर
गोपाष्टमी-गौसेवा संकल्प	8 नवम्बर
देव प्रबोधिनी एकादशी	10 नवम्बर
श्री गुरुनानक जयन्ती/पुष्कर मेला	14 नवम्बर
श्री गीता जयन्ती	10 दिसम्बर
जनवरी 2017	
गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती	5 जनवरी
श्री विवेकानन्द जयन्ती	12 जनवरी
लोहड़ी पर्व	13 जनवरी
मकर संक्रान्ति	14 जनवरी
गुप्त नवरात्र प्रारम्भ	28 जनवरी
बसन्त पंचमी	1 फरवरी
श्री विश्वकर्मा जयन्ती	9 फरवरी
महाशिवरात्रि	24 फरवरी
श्रीरामकृष्ण परमहंस जयन्ती	28 फरवरी
होलिका दहन	12 मार्च
धुलण्डी	13 मार्च
शीतलाष्टमी	22 मार्च

दिन का चौघड़िया

प्रारम्भ	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
6.00	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल
7.30	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
9.00	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
10.30	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग
12.00	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल
1.30	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
3.00	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत
4.30	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल

रात का चौघड़िया

प्रारम्भ	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
6.00	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
7.30	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग
9.00	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
10.30	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत
12.00	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल
1.30	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
3.00	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल
4.30	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

दिन के चौघड़िये का प्रारम्भ प्रातः सूर्योदय से ।
रात के चौघड़िये का प्रारम्भ सायं सूर्यास्त से ॥

यमगण्डम् काल (अशुभ समय)

रवि	-	दिवा.	१२.००	से	१.३०
सोम	-	प्रातः	१०.३०	से	१२.००
मंगल	-	प्रातः	९.००	से	१०.३०
बुध	-	प्रातः	७.३०	से	९.००
गुरु	-	प्रातः	६.००	से	७.३०
शुक्र	-	दिवा	३.००	से	४.३०
शनि	-	दिवा	१.३०	से	३.००

राहुकाल (अशुभ समय)

रवि	-	सायं	४.३०	से	६.००
सोम	-	प्रातः	७.३०	से	९.००
मंगल	-	दिवा	३.००	से	४.३०
बुध	-	दिवा	१२.००	से	१.३०
गुरु	-	दिवा	१.३०	से	३.००
शुक्र	-	प्रातः	१०.३०	से	१२.००
शनि	-	प्रातः	९.००	से	१०.३०

गुलिक काल (निर्वाह योग्य)

रवि	-	दिवा	३.००	से	४.३०
सोम	-	दिवा	१.३०	से	३.००
मंगल	-	दिवा	१२.००	से	१.३०
बुध	-	प्रातः	१०.३०	से	१२.००
गुरु	-	प्रातः	९.००	से	१०.३०
शुक्र	-	प्रातः	७.३०	से	९.००
शनि	-	प्रातः	६.००	से	७.३०

यात्रा मुहूर्त दिशाशूल (विचार)

पूर्व - शनिवार, सोमवार **पश्चिम** - रविवार, शुक्रवार
उत्तर - मंगलवार, बुधवार **दक्षिण** - गुरुवार

योगिनी

पूर्व - १, ९ **अग्निकोण** ३, ११ **पश्चिम** - ६, १४
वायव्य कोण -७, १५ **उत्तर** - २, १० **ईशान कोण** -८, ३०
दक्षिण - ५, १३ **नैऋत्यकोण** ४, १२

काल राहु

पूर्व - शनिवार **दक्षिण** - गुरुवार **पश्चिम** - मंगलवार
उत्तर - रविवार **अग्नि कोण** - शुक्रवार
नैऋत्य कोण - बुधवार **वायव्य कोण** - सोमवार

चन्द्र निवास

पूर्व - मेष, सिंह, धनु **दक्षिण** - वृषभ, कन्या, मकर
पश्चिम - मिथुन, तुला, कुम्भ **उत्तर** - कर्क, वृश्चिक, मीन

दिशाशूल परिहार

रविवार को घी खाकर, सोमवार को दूध, मंगलवार को गुड़, बुधवार को तिल, गुरुवार को दही, शुक्रवार को जौ तथा शनिवार को उड़द खाकर तथा दान देकर यात्रा करें तो दिशा का दोष मिट जाता है ।

वर्जित तिथियाँ

ज्येष्ठ-१, आषाढ़-२, श्रावण-३, भाद्रपद-४, आसोज-५, कार्तिक-६ मार्गशीर्ष-७, पौष-८, माघ-९, फाल्गुन-१०, चैत्र-११, वैशाख-१२

दिशाशूल ले जावो वामे, राहू योगिनी पूठ ।
जो सन्मुख लेवे चन्द्रमा, ल्यावें लक्ष्मी लूट ।।

शुभ-मुहूर्त

धन-त्रयोदशी श्री कुबेर-पूजा

कार्तिक कृष्णा १३ शुक्रवार दि. 28.10.16
प्रदोष वेला सायं 5.55 से रात्रि 8.19 यम दीपदान श्री पूजन

गादी-स्थापना, स्याही भरना, कलम-दवात संवारने हेतु

कार्तिक कृष्ण ३० (अमावस्या) रविवार दिनांक 30.10.16
प्रातः 8.12 से 9.35 तक चंचल वेला
दिवा 9.35 से 12.21 तक लाभ-अमृत वेला
दिवा 11.57 से 12.45 तक अभिजित मुहूर्त
दिवा 1.44 से 3.07 तक शुभ वेला

शुभ-दीपावली श्री महालक्ष्मी-पूजन-समय

कार्तिक कृष्ण ३० (अमावस्या) रविवार दिनांक 30.10.2016

गोधूलि प्रदोष वेला	सायं 5.53 से रात्रि 8.17
स्थिर वृषभ लग्न	सायं 6.53 से रात्रि 8.49
स्थिर सिंह लग्न	मध्य रात्रि 1.21 से 3.38

संक्रान्ति

१४ अप्रैल-मेष	१७ अगस्त-सिंह	१५ दिसम्बर -धनु
१४ मई- वृषभ	१६ सितम्बर - कन्या	१४ जनवरी -मकर
१४ जून-मिथुन	१६ अक्टूबर - तुला	१२ फरवरी -कुंभ
१६ जुलाई -कर्क	१५ नवम्बर-वृश्चिक	१४ मार्च-मीन

ग्रहण : इस वर्ष भारत में मान्य नहीं हैं

होलाष्टक : 5.3.17 से 12.3.17

पंचक

1 मई (9:43) से 5 मई (13:17)
28 मई से (16:01) से 1 जून (22:38)
24 जून से (21:26) 28 जून (29:37)
21 जुलाई (27:42) से 26 जुलाई (11:05)
18 अगस्त (11:53) से 22 अगस्त (16:57)
14 सितम्बर (21:44) से 18 सितम्बर (24:54)
12 अक्टूबर (7:52) से 16 अक्टूबर (11:13)
8 नवम्बर (16:33) से 12 नवम्बर (22:29)
5 दिसम्बर (23:03) से 10 दिसम्बर (8:28)

सन् 2017 में

1 जनवरी (28:29) से 6 जनवरी (15:44)
29 जनवरी (10:54) से 2 फरवरी (21:10)
25 फरवरी (19:18) से 1 मार्च (27:15)
24 मार्च (28:57) से

मल मास

मीन संक्रान्ति-मल मास 14.3.16 से 13.4.16 तक
पुन: 14.3.17 से 13.4.17 तक
शुक्र अस्त 2.5.16 उदय 6.7.16
पुन: अस्त 21.3.17 उदय 25.3.17
गुरु अस्त 11.9.16 उदय 6.10.16

प्रदोष व्रत

19 अप्रैल
4 व 19 मई
2 व 17 जून
2, 17 व 31 जुलाई
15 व 29 अगस्त
14 व 28 सितम्बर
13 व 27 अक्टूबर
12 व 26 नवम्बर
11 व 26 दिसम्बर
10 व 25 जनवरी 2017
8 व 24 फरवरी
10 व 25 मार्च

कालसर्प योग पूजन

24 जुलाई 2016, रविवार
नाग पंचमी (राजस्थानीय)

7 अगस्त 2016, रविवार
नाग पंचमी (देशाचारीय)

24 फरवरी 2017, शुक्रवार
शिवरात्रि

विवाह मुहूर्त

अप्रैल - 16, 17, 18, 19, 20, 22, 23, 26, 27

जुलाई - 10, 11, 13

नवम्बर - 16, 23, 24, 25, 30

दिसम्बर - 1, 3, 8, 9, 12

जनवरी 2017 - 16 ,17, 18, 22

फरवरी - 5, 6, 18, 19, 27, 28

मार्च- 4

अथ नष्ट वस्तु-ज्ञानम्

अंधलोचन	मंदलोचन	मध्यलोचन	सुलोचन	संज्ञा
रो.पुष्य, उ.फा. वि. पू.षा. ध. रे.	मृ., आश्ले. ह., अनु. उ.षा., श. अ.	आ.म., चि. ज्येष्ठा, अभि. पू.भा., भ.	पुन. पू.फा. स्वाति, मूल, श्र. उ.भा., कृ.	नक्षत्र
पूर्वे	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर	दिशा
मिले पूर्वे	प्राप्ति दक्षिणे	प्राप्ति पश्चिमे	कुयोग उत्तरे	फलम्

व्यापार प्रारंभ करने के मुहूर्त

अप्रैल - 29
जुलाई - 10,11,15,16,20,25,29, 30
अगस्त - 7, 8, 22
सितम्बर - 3,4
अक्टूबर - 16, 27
नवम्बर - 2,11, 12,16,23, 24, 25, 26
दिसम्बर - 4, 10
जनवरी 2017 - 18
फरवरी - 1,2,3,6,15,16,19
मार्च - 1

नूतनगृह-निर्माण/नींव मुहूर्त

अप्रैल - 29
जुलाई - 11,16,20,25,29,30
अगस्त - 8, 18, 22
सितम्बर - 3
अक्टूबर - 6, 12, 27
नवम्बर - 2, 11, 12, 16, 23, 24, 25, 26
जनवरी (2017) - 18
फरवरी - 2, 6, 15, 16
मार्च - 1

नूतनगृह-प्रवेश मुहूर्त

अप्रैल - 22, 23, 29
जुलाई - 13, 16, 20, 25, 29, 30
अगस्त - 8, 18, 19, 22
सितम्बर - 3
अक्टूबर - 12, 13, 27
नवम्बर - 2, 11, 12, 23, 24, 25, 26
जनवरी (2017) - 23, 30
फरवरी - 2, 6, 15, 16
मार्च - 1

एकात्मा मंत्र

यं वैदिका मन्त्रदृशः पुराणा
इन्द्रं यमं मातरिश्वानमाहुः
वेदान्तिनोऽनिर्वचनीयमेकं
यं ब्रह्मशब्देन विनिर्दिशन्ति।।१।।
शैवा यमीशं शिव इत्यवोचन्
यं वैष्णवा विष्णुरिति स्तुवन्ति।
बुद्धस्तथाऽर्हन्निति बौद्धजैनाः
सत् श्री अकालेति च सिक्ख संतः ।।२।।
शास्तेति केचित् प्रकृतिः कुमारः
स्वामीति मातेति पितेति भक्त्या।
यं प्रार्थयन्ते जगदीशितारं
स एक एव प्रभुरद्वितीयः।।३।।

भावार्थः - विभिन्न लोग जिस परमात्मा की भिन्न-भिन्न नामों से उपासना करते हैं, वह एक ही है।

गायत्री मंत्र

।। ओ३म् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यम्।
भर्गो देवस्य धीमहि, धियो यो नः प्रचोदयात्।। (यजु.)

भावार्थ : भूलोक, अन्तरिक्ष और द्युलोक में श्रेष्ठतम समस्त संसार को उत्पन्न करने वाले उस सविता देव के उस ग्रहण करने योग्य शुद्ध स्वरूप का हम ध्यान करते हैं। जो हमारी बुद्धियों को सन्मार्ग पर प्रेरित करें।

महामृत्युञ्जय मंत्र

ॐ हौं जूं सः। ॐ भूर्भुवः स्वः।
ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनात् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।
स्वः भुवःभूः ॐ। सः जूं हौं ॐ।

भावार्थ : हम तीन नेत्र वाले उस (महादेव) का पूजन करते हैं जो सुगन्धि से युक्त, कल्याणकारी और समृद्धिकारक है। जिस प्रकार बेल से चिपका हुआ तूम्बा पकने पर सहज अलग हो जाता है उसी प्रकार वह महादेव मुझे मृत्यु के बन्धनों से मुक्त करें। अमृत से नहीं

शांति मंत्र

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्।।

भावार्थ : सभी लोग सुखी हों, सभी रोग मुक्त हों, सभी का कल्याण हो, कोई दुखी न हो।।

ॐ असतो मा सद्गमय।
तमसो मा ज्योतिर्गमय ।
मृत्योर्मा अमृतङ्गमय।।

भावार्थ : हे प्रभो! तू मुझे असत्य से सत्य की ओर (अज्ञान रूपी)अंधकार से (ज्ञानरूपी)प्रकाश की ओर तथा मृत्यु से अमरता की ओर ले चल।

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं, पूर्णात् पूर्णमुदच्यते।
पूर्णस्य पूर्णमादाय, पूर्णमेवावशिष्यते।।

भावार्थ : यह ब्रह्म पूर्ण है। यह विश्व पूर्ण है। पूर्ण से पूर्ण का प्रादुर्भाव होता है। पूर्ण से पूर्ण निकाल लेने के पश्चात पूर्ण ही शेष रहता है।

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ।।

शांति पाठ

ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्षँ, शान्तिः पृथिवी शान्तिरापः
शान्तिरोषधयः शान्तिः।
वनस्पतयः शान्तिर्विश्वेदेवा शान्तिर्ब्रह्म शान्तिः
सर्वँ शान्तिः।।
शान्ति रेव शान्तिः सा मा शान्तिरेधि।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ।।

भावार्थ : द्युलोक शान्ति दे, अन्तरिक्ष शांति दे
पृथ्वी लोक शान्ति दे, जल-प्राण शान्ति दें,
रोगनाशक औषधियाँ शान्ति दें, भोज्य वनस्पतियाँ
शान्ति दें सभी देवता शान्तिदायक हों, ज्ञान शान्ति दे
सब कुछ शान्ति ही दे, शान्ति ही सचमुच शान्ति हो,
व ऐसी शान्ति मुझे प्राप्त हो।

समरसता मंत्र

हिन्दवः सोदराः सर्वे, न हिन्दू पतितो भवेत्।
मम दीक्षा हिन्दू रक्षा, मम मंत्रः समानता।।

भावार्थ : सभी हिन्दू भाई हैं, हिन्दू कभी भी पतित नहीं
हो सकता है। हिन्दू रक्षा ही मेरी दीक्षा है तथा
समानता ही मेरा मंत्र है।

भोजन पूर्व मंत्र

ॐ सह नाववतु। सह नौ भुनक्तु।
सह वीर्यं करवावहै
तेजस्विनावधीतमस्तु। मा विद्विषावहै।।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

भावार्थः हम परस्पर मिलकर सुरक्षा करें। हम मिलकर खायें। हम साथ मिलकर शौर्य प्रकट करें। हम देश के संगठन रूपी तपश्चर्या से उज्ज्वलित एवं प्रदीप्त हों। हम पठित एवं अध्ययनशील हो। परस्पर द्वेष न करें।
शान्तिःहो! शान्तिःहो!! शान्तिःहो!!

स्नानपूर्व जलाभिमन्त्रम्

(सप्तनदी आवाहन मंत्र)
गंगे च यमुने चैव, गोदावरी सरस्वति।
नर्मदे सिन्धु कावेरी, जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु।।

भावार्थः गंगा, यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा, सिन्धु और कावेरी नदियों!
इस जल में अपना सान्निध्य प्रदान करो।

णमोकार मंत्र

णमो अरिहंताणं

णमो सिद्धाणं

णमो आयरियाणं

णमो उवज्झायाणं

णमो लोए सव्वसाहूणं

एसो पंच णमुक्कारो, सव्व पावप्पणासणो

मंगलाणं च सव्वेसिं, पढ़मं हवइ मंगलं

ਜਪੁ ਜੀ ਸਾਹਿਬ

ੴ ਸਤਿਨਾਮੁ ਕਰਤਾ ਪੁਰਖੁ

ਨਿਰਭਉ ਨਿਰਵੈਰੁ

ਅਕਾਲ ਮੂਰਤਿ ਅਜੂਨੀ ਸੈਭੰ

ਗੁਰਪ੍ਰਸਾਦਿ ॥

जप जी साहिब

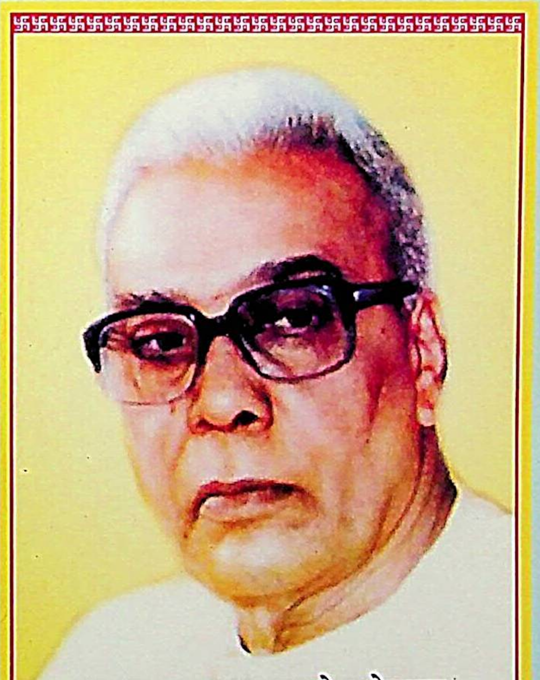
ੴ सतनाम करता पुरख निरभऊ, निरवैरु

अकाल मूरति, अजूनी, सैभं गुरु प्रसादि ॥

स्मरण-पत्र

प. पू. मधुकर दत्तात्रेय देवरस

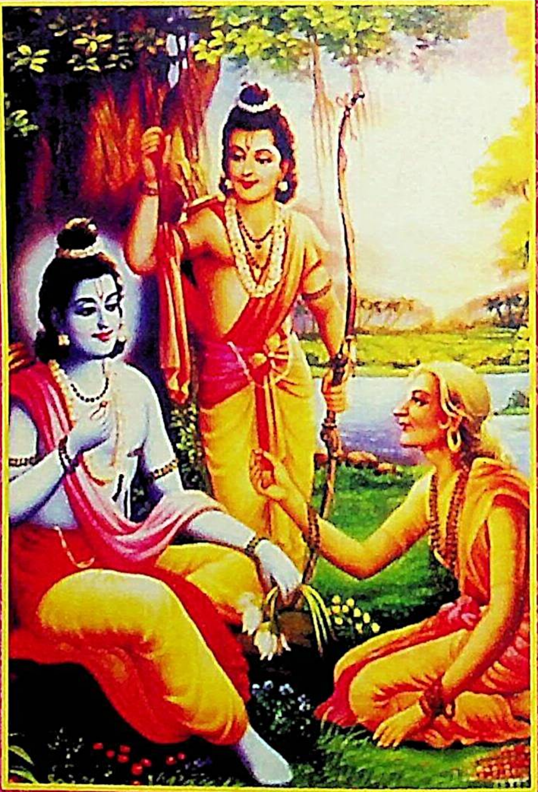
जीवन परिचय : प. पू. मधुकर दत्तात्रेय देवरस जी का जन्म 11 दिसम्बर 1915 को नागपुर में हुआ। बचपन में वे मोहिते के बाड़े में लगने वाली शाखा 'कुश पथक' के स्वयंसेवक थे। बचपन से प्रखर विचारों वाले एवं सामाजिक कुरीतियों के विरोधी मधुकर का प्रिय खेल कबड्डी था। कोलकाता से आपका प्रचारक जीवन प्रारम्भ हुआ। 1965 में सर कार्यवाह और 1973 में सरसंघ चालक बने। आपके मार्गदर्शन में सेवा बस्तियों में सेवाकार्य का आयाम जोड़ा गया जिससे हिन्दू समाज से धर्मान्तरण व अलगाववादी प्रक्रिया पर रोक लगी। आपकी प्रेरणा से वि.हि.प. ने श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन किया। पूना में प्रतिवर्ष आयोजित देश प्रसिद्ध बसंत व्याख्यानमाला के शताब्दी वर्ष में आपने "सामाजिक समरसता और हिन्दू संगठन" विषय पर प्रसिद्ध व्याख्यान दिया। आपका कथन था कि हमें भूतकाल की गलतियों को वर्तमान में घसीटकर भविष्य खतरे में नहीं डालना चाहिए बल्कि समाज में सौहार्द, सामञ्जस्य और परस्पर सहयोग का वातावरण स्थापित कर देश की एकता और अखण्डता की रक्षा करनी चाहिए क्योंकि सामाजिक विषमता के कारण हमारे समाज में दुर्बलता आयी और देश का विघटन हुआ। उन्होंने सभी शंकराचार्यों की उपस्थिति में यह घोषणा की कि यदि अस्पृश्यता पाप नहीं है तो कुछ भी पाप नहीं है। वे हिन्दु समाज में समरसता के पुरोधा थे।



प. पू. मधुकर दत्तात्रेय देवरस

जन्म शताब्दी वर्ष

11 दिसम्बर 1915



नवसंवत्सर समारोह समिति, अजयमेरु

98281 71560